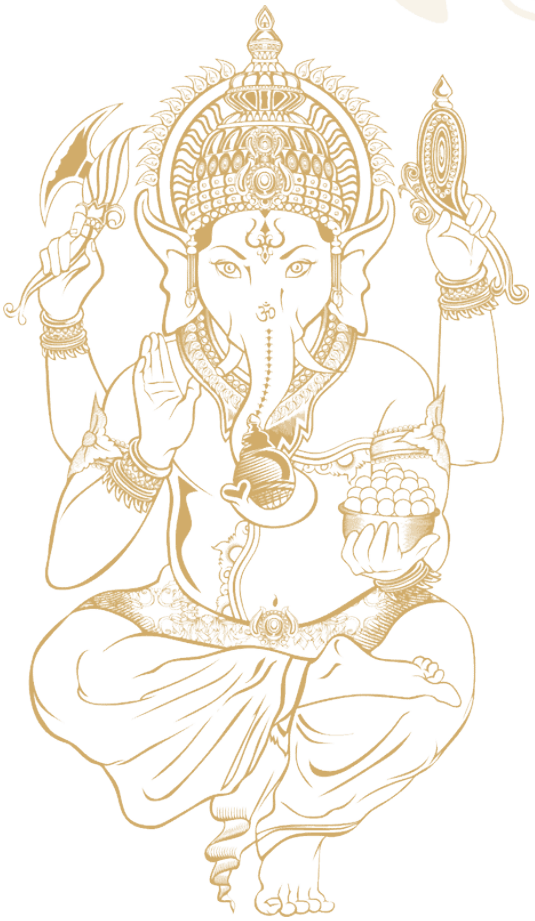

Mr.Boy

21 Nov 2025

10:11 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120259002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/11/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:11:00 घंटे**
इष्ट	38:19:10 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:50:12 घंटे
वेलान्तर	00:14:09 घंटे
साम्पातिक काल	01:53:56 घंटे
सूर्योदय	06:51:19 घंटे
सूर्यास्त	17:22:04 घंटे
दिनमान	10:30:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:24:20 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:01:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	13:01:42	304:14:38	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	05:24:20	01:00:37	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	20:45:33	11:54:20	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	वृश्चि	18:12:47	00:44:00	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	02:20:21	01:18:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:45:57	00:02:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	24:17:02	01:15:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		मीन	00:58:31	00:00:42	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:52:56	00:14:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:52:56	00:14:05	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:13:07	00:02:31	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:15:09	00:00:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:29:57	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	06:22:53	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:11

लग्न-चलित

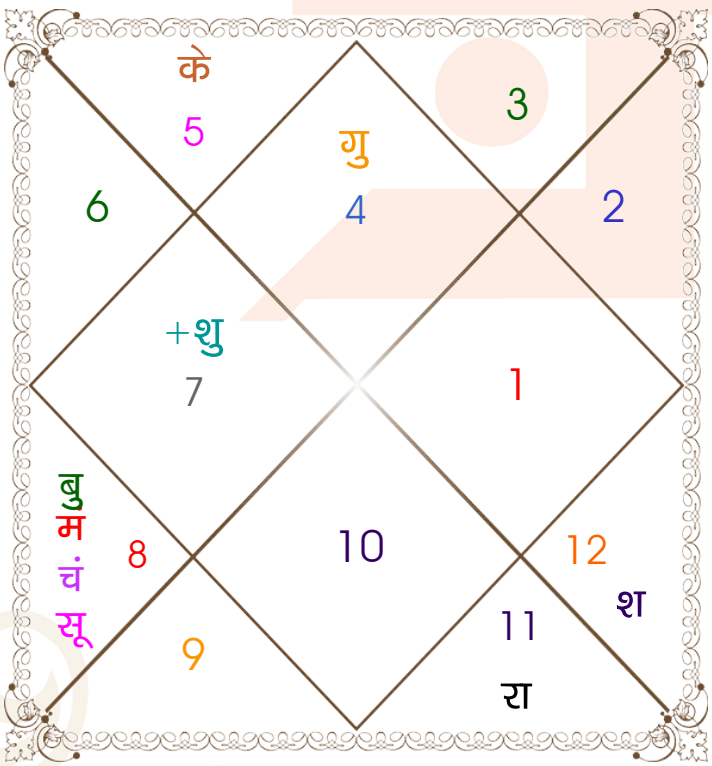

चन्द्र कुंडली

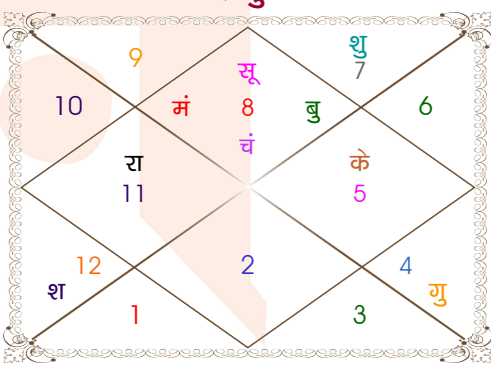

नवमांश कुंडली

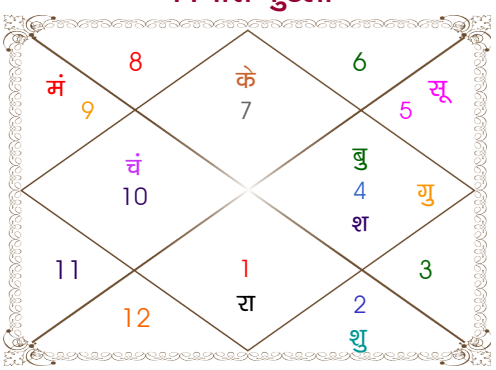

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 9 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/11/2025		03/09/2037		03/09/2044		03/09/2064		03/09/2070	
03/09/2037		03/09/2044		03/09/2064		03/09/2070		03/09/2080	
	00/00/0000	केतु	30/01/2038	शुक्र	03/01/2048	सूर्य	21/12/2064	चंद्र	05/07/2071
	21/11/2025	शुक्र	01/04/2039	सूर्य	02/01/2049	चंद्र	22/06/2065	मंगल	03/02/2072
शुक्र	27/11/2026	सूर्य	07/08/2039	चंद्र	03/09/2050	मंगल	28/10/2065	राहु	03/08/2073
सूर्य	04/10/2027	चंद्र	07/03/2040	मंगल	03/11/2051	राहु	21/09/2066	गुरु	03/12/2074
चंद्र	04/03/2029	मंगल	03/08/2040	राहु	03/11/2054	गुरु	11/07/2067	शनि	04/07/2076
मंगल	01/03/2030	राहु	22/08/2041	गुरु	04/07/2057	शनि	22/06/2068	बुध	03/12/2077
राहु	18/09/2032	गुरु	29/07/2042	शनि	03/09/2060	बुध	28/04/2069	केतु	04/07/2078
गुरु	25/12/2034	शनि	06/09/2043	बुध	05/07/2063	केतु	03/09/2069	शुक्र	04/03/2080
शनि	03/09/2037	बुध	03/09/2044	केतु	03/09/2064	शुक्र	03/09/2070	सूर्य	03/09/2080

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/09/2080		03/09/2087		04/09/2105		04/09/2121		04/09/2140	
03/09/2087		04/09/2105		04/09/2121		04/09/2140		00/00/0000	
मंगल	30/01/2081	राहु	17/05/2090	गुरु	23/10/2107	शनि	07/09/2124	बुध	31/01/2143
राहु	17/02/2082	गुरु	09/10/2092	शनि	05/05/2110	बुध	18/05/2127	केतु	28/01/2144
गुरु	24/01/2083	शनि	16/08/2095	बुध	10/08/2112	केतु	26/06/2128	शुक्र	22/11/2145
शनि	04/03/2084	बुध	05/03/2098	केतु	17/07/2113	शुक्र	26/08/2131		00/00/0000
बुध	01/03/2085	केतु	23/03/2099	शुक्र	17/03/2116	सूर्य	07/08/2132		00/00/0000
केतु	28/07/2085	शुक्र	24/03/2102	सूर्य	03/01/2117	चंद्र	09/03/2134		00/00/0000
शुक्र	27/09/2086	सूर्य	15/02/2103	चंद्र	05/05/2118	मंगल	17/04/2135		00/00/0000
सूर्य	02/02/2087	चंद्र	16/08/2104	मंगल	11/04/2119	राहु	21/02/2138		00/00/0000
चंद्र	03/09/2087	मंगल	04/09/2105	राहु	04/09/2121	गुरु	04/09/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।